>

Title: Need to set up Chambal and Bhil regiments.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान चम्बल की वीर जनता एवं योद्धा भीलों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। चंबल का नांम सुनते ही लोगों के जहन में डाकुओं की तस्वीर उभरती है, परंतु वहां वीर सैनिक भी रहते हैं। इसी प्रकार इतिहास साक्षी है कि भीलों ने भी देश के स्वाधीनता संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। महाराणा प्रताप के संघर्ष में भी भीलों ने उनका साथ दिया है। बिरसा मुंडा के योगदान को हम कभी नहीं भुला सकते हैं। हमें चाहिए कि हम चंबल की वीर जनता व भीलों को सम्मान देने के लिए चंबल एवं भील रेजिमेंट की स्थापना करें। जिस प्रकार वर्तमान में जाट, सिख, गढ़वाल, कुमाऊं, नागा, गोरखा, महार, बिहार, मराठा, राजपूताना एवं आसाम राइफल्स हैं, उसी प्रकार चंबल एवं भील रेजिमेंट की स्थापना की जानी चाहिए। चंबल की जनता एवं भीलों को सम्मान देने से राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्र भक्ति की भावना और बलवती होगी।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वहं चंबल एवं भील रेजिमेन्ट की स्थापना के लिए शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करे।

"चमन के साथ रहो या खिजां के साथ रहो, जहां कहीं भी रहो बांकेपन के साथ रहो, हजार आएं जमाने में इंक्लाब मगर, तुम्हारा फर्ज है अपने वतन के साथ रहो। "